**‘पार नज़र के’**

**कहानी-सारांश भाग-2**

कहानी –सारांश भाग-1 में हमने अब तक पढ़ा कि कैसे छोटू अपने पापा का पास लेकर सुरंग में चला गया और उसकी इस हरकत के बाद पापा ने उसे क्या-क्या समझाया।

**अब आगे की कहानी-**

**अन्तरिक्ष यान का प्रवेश-** एक दिन छोटू के पापा काम पर गए तो उन्हे पता चला कि एक तारे जैसी वस्तु उनके ग्रह की तरफ आ रही है। उन्हें कहा गया कि वे बराबर उस पर नज़र रखें। छोटू के पापा सोचने लगे कि अगर यह सचमुह अन्तरिक्ष यान है तो कहाँ से आ रहा है? हमारी धरती के अलावा और कौन से ग्रहों पर जीवों का अस्तित्व होगा? थोड़ी देर बाद उस यान से एक यांत्रिक हाथ बाहर निकला जिसकी लंबाई बढ़ती ही जा रही थी।

**अन्तरिक्ष यान पर चर्चा-** इस घटना के कारण कॉलोनी की प्रबंध समिति की सभा बुलायी गयी थी। अध्यक्ष अपने भाषण में बता रहे थे कि दो अन्तरिक्ष यान हमारे मंगल की तरफ़ बढ़ते आ रहे हैं। ऐसी हालत में हमें क्या करना चाहिए, इसके लिए योजना बनानी ज़रूरी है। अध्यक्ष ने वैज्ञानिकों एवं सुरक्षा समिति के सदस्यों से इस विषय पर राय मांगी।

नंबर एक ने कहा कि हम इन दोनों अन्तरिक्ष यानों को जलाकर ख़ाक कर सकते हैं लेकिन इससे कोई जानकारी नहीं मिल सकेगी। उनके अनुसार इन यानों में सिर्फ यंत्र हैं, कोई जीव नहीं।

नंबर दो एक वैज्ञानिक थे, जिन्होने नंबर एक की बात से सहमत होते हुये कहा कि इन यंत्रों के बेकार होने से दूसरे ग्रह के लोग हमारे बारे में जान जाएंगे इसलिए हमें सिर्फ़ अवलोकन करना चाहिए।

नंबर तीन ने भी कहा कि हमें अपना अस्तित्व छिपाए रखना चाहिए और कुछ ऐसा प्रबंध करना चाहिए कि उन्हें गलतफ़हमी हो जाए कि इस ग्रह पर कोई इतनी भी महत्वपूर्ण चीज़ नहीं है जिसका लाभ उठाया जा सके।

**छोटू की हरकत-** सभा चल ही रही थी कि तभी पता चला कि अन्तरिक्ष यान क्रमांक-एक मंगल की धरती पर उतर चुका है। अगले दिन पापा छोटू को कंट्रोल रूम ले गए, जहाँ से अन्तरिक्ष यान क्रमांक एक नज़र आ रहा था। कंट्रोल रूम में उपस्थित सभी लोगों का ध्यान स्क्रीन पर था लेकिन छोटू का सारा ध्यान कोन्सोल पैनल पर था जहाँ कई सारे बटन थे। अचानक उसने एक लाल बटन दबा दिया और खतरे की घंटी बजने लगी। पापा ने छोटू को अपनी तरफ़ खींचकर एक थप्पड़ मारा और लाल बटन को पूर्व स्थिति में ला दिया। लेकिन उस यांत्रिक हाथ की हरकत अचानक रुक गयी। यंत्र बेकार हो गया था।

**पृथ्वी पर नासा का वक्तव्य-** दूसरी तरफ़ पृथ्वी पर नेशनल एयरोनोटिक्स एंड स्पेस एड्मिनिस्ट्रेशन (नासा) के वक्तव्य पर सबका ध्यान था, जिसमे कहा जा रहा था कि मंगल की धरती पर उतरा अन्तरिक्ष यान वाइकिंग अपना कार्य कर रहा था लेकिन किसी अज्ञात कारणवश यान का यांत्रिक हाथ बेकार हो गया है, नासा के तकनीशियन इस यांत्रिक हाथ को ठीक करने की कोशिश कर रहे हैं।

कुछ दिनों बाद पृथ्वी के अखबारों में यह खबर छपी कि रिमोट कंट्रोल के सहारे वाइकिंग को ठीक कर लिया गया है और अब यांत्रिक हाथ मंगल की मिट्टी के नमूने इकट्ठा कर रहा है।

पृथ्वी के वैज्ञानिक मंगल की मिट्टी का अध्ययन करके यह पता लगाना चाहते हैं कि क्या मंगल ग्रह पर भी पृथ्वी की ही तरह जीवन है? यह प्रश्न आज भी एक रहस्य है।

**के इस भाग में आए कठिन शब्द व उनके अर्थ कहानी**

**शब्द अर्थ**

अडिग जो अपने स्थान से न हटे

संदेह शक

असंभव जो न हो सके

नज़दीक पास

संभव जो हो सके

अवलोकन ध्यानपूर्वक देखना

गिर्द चारों ओर

ख़ाक राख

सक्षम समर्थ/ योग्य/ क़ाबिल/ लायक

दरख़्वास्त निवेदन

निर्धारित निश्चित किया गया

बरबस न चाहते हुये भी

दुरुस्त ठीक

विभिन्न कई प्रकार के